मध्य प्रदेश में बाघों को स्थानांतरित किया जाएगा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) ने **मध्य प्रदेश** से 15 बाघों को राजस्थान, छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्यों में स्थानांतरित करने की मंज़ूरी प्रदान की है।

मुख्य बिंदु

- **बाघों का सबसे बड़ा स्थानांतरण:**
  - यह पहल भारत में **किसी एक राज्य से बड़ी बिल्लियों (बिग कैट्स) के सबसे बड़े स्थानांतरण का प्रतीक होगी।**
    - इसका उद्देश्य देश भर में बाघ संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देना है।
  - स्थानांतरण के लिये कोई विशिष्ट समयसीमा अभी तक तय नहीं की गई है।
  - तीन रिज़र्वों से बाघों को स्थानांतरित किया जाएगा: **बाँधवगढ़, पेंच और कान्हा टाइगर रिज़र्व।**
  - कुल स्थानांतरित बाघों में से **बारह बाघिन होंगी।**
- **गंतव्य राज्य और वितरण:**
- **राजस्थान:** चार बाघिन।
- **छत्तीसगढ़:** दो बाघ और छह बाघिन।
- **ओडिशा:** एक नर बाघ और दो बाघिन।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA)

- यह **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** के अंतर्गत एक **वैधानिक निकाय है।**
- इसकी **स्थापना वर्ष 2005 में** टाइगर टास्क फोर्स की सिफारिशों के बाद की गई थी।
- इसका गठन वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (जैसा कि वर्ष 2006 में संशोधित किया गया) के प्रावधानों के तहत किया गया था, ताकि इसे निर्दिष्ट की गई शक्तियों और कार्यों के अनुसार बाघ संरक्षण को सशक्त किया जा सके

बाँधवगढ़ टाइगर रिज़र्व

- यह **मध्य प्रदेश के उमरिया ज़िले** में स्थित है और विंध्य पहाड़ियों पर विस्तृत है।
- यह ऐतिहासिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है, जिसका प्रमाण **प्रसिद्ध** बाँधवगढ़ किले के साथ-साथ संरक्षित क्षेत्र में मौजूद अनेक गुफाएँ, शैलचित्र और नक्काशी है।
- 1968 में इसे **राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया** तथा **1993 में इसे बाघ अभयारण्य घोषित किया गया।**
- यह रॉयल बंगाल टाइगर्स के लिये जाना जाता है।
- अन्य महत्त्वपूर्ण शिकार प्रजातियों में चीतल, **सांभर,** भौंकने वाला हिरण, **नीलगाय,** चिंकारा, जंगली सुअर, **चौसिंघा,** लंगूर **और** रीसस मकॉक शामिल हैं।
- बाघ, तेंदुआ, **जंगली कुत्ता,** भेड़िया **और सियार** जैसे प्रमुख शिकारी इन पर निर्भर हैं।

पेंच टाइगर रिज़र्व (PTR)

- **PTR मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र दोनों का संयुक्त गौरव है।**
- **यह अभ्यारण्य मध्य प्रदेश के सिवनी और छिंदवाड़ा ज़िलों में सतपुड़ा पहाड़ियों के दक्षिणी छोर** पर स्थित है तथा **महाराष्ट्र के नागपुर ज़िले में** एक अलग अभयारण्य के रूप में विस्तृत है।
- इसे 1975 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया तथा वर्ष 1992 में इसे बाघ अभयारण्य का दर्जा दिया गया।
- हालाँकि, 1992-1993 में PTR **मध्य प्रदेश को भी यही दर्जा दिया गया था।** यह **सेंट्रल हाइलैंड्स के सतपुड़ा-मैकल पर्वतमाला के प्रमुख संरक्षित क्षेत्रों में से एक है।**

- यह भारत के **[महत्त्वपूर्ण पक्षी क्षेत्रों (IBA)]** के रूप में अधिसूचित स्थलों में से एक है।
- **कान्हा टाइगर रिज़र्व**
- **यह मध्य प्रदेश के दो ज़िलों- मंडला और बालाघाट-** में 940 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तृत है।
- वर्तमान कान्हा क्षेत्र को **दो अभयारण्यों, हालोन और बंजार में विभाजित किया गया था। 1955 में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान बनाया गया और 1973** में इसे कान्हा टाइगर रिज़र्व बना दिया गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/madhya-pradesh-to-relocate-tigers